मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 259, मुंबई, मंगलवार, 29 नवंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र के स्कूलों में 19 लाख से भी अधिक बच्चों के पास नहीं हैं AADHAR CARD

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के सरकारी और सरकार द्वारा सहायता प्राप्त स्कूलों में एडमिशन लेने वाले करीब 2 करोड़ 33 लाख 13 हजार 762 स्टूडेंट्स में से लगभग 19 लाख 55 हजार 515 (8.38%) बच्चों के पास आधार कार्ड नहीं है। हाल ही में राज्य सरकार द्वारा जारी आंकड़े से इस खबर की पुष्टि हुई है। वहीं जिन 2 करोड़ 13 लाख 58 हजार 247 बच्चों के पास आधार कार्ड हैं उनमें से करीब 40 लाख 1 हजार 250 आधार कार्ड वैलिड नहीं हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

आधार अपडेट के लिए 12 दिसंबर तक की मोहलत

बता दें कि स्कूल शिक्षा डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बताया कि इन्हीं जिलों में सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स स्कूलों में रजिस्टर्ड हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि स्टूडेंट पोर्टल पर अमान्य आधार को अपडेट करने के लिए स्कूलों को 12 दिसंबर तक का समय भी दिया गया है।

गोवा में 5 लाख रुपये के मादक पदार्थ जब्त

एनसीबी ने दो विदेशी नागरिकों को किया गिरफ्तार

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने गोवा में दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर पांच लाख रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनसीबी की गोवा उप-क्षेत्रीय इकाई ने रविवार को उत्तरी गोवा में नशीली दवाइयों के साथ 55 ग्राम चरस जब्त की।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबईः बीच सड़क कपड़े उतारकर करने लगा ब्लैक मैजिक

आधे घंटे तक ट्रैफिक रहा जाम

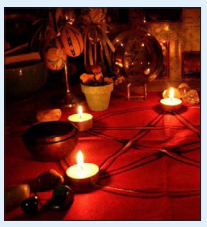

ठाणे। मुंबई से सटे ठाणे में उस समय हंगामा मंच गया जब लोगों ने सड़क पर एक शख्स को ब्लैक मैजिक करते देखा। शख्स अपने पूरे कपड़े उतारकर बैठा हुआ था। आग जलाकर उसमें कुछ सामग्री डालकर वो ब्लैक मैजिक कर रहा था। शख्स की इस हरकत को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इससे करीब आधे घंटे तक ट्रैफिक जाम रहा। ये घटना कल्याण पश्चिम के आगरा रोड इलाके की है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

सभी को सुचित किया जाता है कि अगर दै. मुंबई हलचल के नाम पर कोई व्यक्ति संवाददाता बता कर आपसे कोई भी गलत व्यवहार करता है तो आप तुरंत अपने स्थनीय पुलिस स्टेशन में जाकर उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराये, अगर आप उस व्यक्ति से कोई लेन-देन करते हैं तो उसका जिम्मेदार आप खुद होंगे.

धन्यवाद...संपादक

आप दै. मुंबई हलचल के कार्यालय में नीचे दिये गये नंबर पर संपर्क कर सकते हैं

9820961360

2 साल की बेटी को सीने से दबाकर मार डाला

बोला- कर्जदार हूं, खिलाने को पैसे नहीं थे

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एक टेक्नीशियन ने अपनी 2 साल की बच्ची की हत्या कर दी। उसने पुलिस को बताया कि उसके पास बच्ची को खाना खिलाने के पैसे नहीं थे। बच्ची की जान लेने के बाद उसने आत्महत्या की कोशिश की, लेकिन बच गया। घटना 15 नवंबर की है। बच्ची की डेड बॉडी 16 नवंबर को कोलार के केनदत्ती गांव की झील में मिली। इस झील के किनारे पुलिस को एक नीले रंग की कार भी मिली। इसे देखकर गांव के लोगों ने कोलार पुलिस को सूचना दी। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने पिता की तलाश शुरू की, जिसके बाद 16 नवंबर को बेंगलुरु रेलवे स्टेशन से आरोपी पिता को गिरफ्तार किया गया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शिवसेना सांसद संजय राउत की मुश्किलें बढ़ी

कोर्ट ने जारी किया समन

मुंबई। शिवसेना के सांसद संजय राउत की मुसीबतें खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। पात्रा चॉल घोटाला मामले में जमानत पर बाहर आए संजय राउत पर अब महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को लेकर कथित भड़काऊ भाषण देने के मामले में गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हिंदी के नाम पर आत्महत्या क्यों?

कल भारत का संविधान-दिवस था और कल ही तमिलनाडु के एक व्यक्ति ने यह कहकर आत्महत्या कर ली कि केंद्र सरकार तमिल लोगों पर हिंदी थोप रही है। आत्महत्या की यह खबर पढ़कर मुझे बहुत दुख हुआ। पहली बात तो यह कि किसी ने हिंदी को दूसरों पर लादने की बात तक नहीं कही है। तमिलनाडु की पाठशालाओं में कहीं भी हिंदी अनिवार्य नहीं है। हाँ, गांधीजी की पहल पर जो दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा बनी थी, वह आज भी लोगों को हिंदी सिखाती है। हजारों तमिलभाषी अपनी मर्जी से उसकी परीक्षाओं में भाग लेते हैं। आत्महत्या करनेवाले सज्जन चाहते तो वे इसका भी विरोध कर सकते थे लेकिन विरोध का यह भी क्या तरीका है कि कोई आदमी अपनी या किसी की हत्या कर दे। जो अहिंदीभाषी हिंदी नहीं सीखना चाहें, उन्हें पूरी स्वतंत्रता है लेकिन वे कृपया सोचें कि ऐसा करके वे अपना कौनसा फायदा कर रहे हैं? क्या वे अपने आप को बहुत संकुचित नहीं कर रहे हैं? सिर्फ तमिल के जरिए क्या वे तमिलनाडु के बाहर किसी से कोई व्यवहार कर सकते हैं? यदि 10-15 प्रतिशत तमिल लोग अंग्रेजी सीख लेते हैं तो वे नौकरियां तो पा जाएंगे, क्योंकि केंद्र की सभी सरकारें अभी भी गुलामी का जुआ धारण किए हुए हैं लेकिन वे लोग खुद से पूछें कि भारत की आम जनता के साथ वे किस भाषा में बात करेंगे? इसमें शक नहीं कि भारत की प्रत्येक भाषा उतनी ही सम्मानीय है, जितनी कि हिंदी है लेकिन प्रत्येक भाषाभाषी को यदि अखिल भारतीय स्तर पर काम करना है तो वह हिंदी की उपेक्षा कैसे कर सकता है? जब ह.द. देवेगौड़ा भारत के प्रधानमंत्री बने तब वे हिंदी का एक वाक्य भी ठीक से बोल नहीं पाते थे लेकिन उन्होंने मुझसे आग्रहपूर्वक हिंदी सीखी और सारे उत्तर भारत के कार्यक्रमों में वे अपना भाषण हिंदी में पढ़कर देने लगे। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच कोई विरोध नहीं है। राजनीतिक बहकावे में आकर कोई भी अतिवादी कदम उठाना उचित नहीं है। अब तो संविधान दिवस पर कानून मंत्री किरन रिजिजू ने घोषणा की है कि अब अदालतों के फैसलों का अनुवाद क्षेत्रीय भाषाओं में करवाने की भी व्यवस्था की जा रही है। मैं तो चाहता हूं कि अदालतों की बहस भी हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में की जाए ताकि लोग ठगे न जाएं। हिंदीभाषियों को चाहिए कि वे कम से कम एक अन्य भारतीय भाषा का कामचलाऊ ज्ञान तो प्राप्त करें ताकि अहिंदीभाषियों को लगे कि हम उनकी भाषाओं का भी पूरा सम्मान करते हैं। भारत सरकार को चाहिए कि नेहरु-काल के त्रिभाषा-सूत्र की बजाय वह अब द्विभाषा-सूत्र लागू करे और यदि कोई विदेशी भाषा पढ़ना चाहे तो उसे अल्पावधि प्रशिक्षण की भी सुविधा दी जाए।

अस्मिता और गुजरात गौरव का चुनाव

ध्यान रहे गुजरात में भाजपा को हमेशा 50 फीसदी के करीब वोट मिलते रहे हैं। उसके और कांग्रेस के वोट में सात-आठ फीसदी या इससे ज्यादा का भी अंतर रहा है। इसलिए अगर एंटी इन्कंबैंसी या जातियों के ध्रुवीकरण की वजह से भाजपा के वोट कुछ कम होते हैं तब भी उसको परवाह नहीं होगी क्योंकि उससे टूटने वाले वोट भी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच बटेंगे। आम आदमी पार्टी हिंदुत्व के ब्रांड की राजनीति और मुफ्त की रेवड़ियों के सहारे भाजपा के कुछ वोट काट रही है लेकिन वह ज्यादा वोट कांग्रेस का काट रही है। इस वजह से दोनों में से कोई भी पार्टी इस स्थिति में नहीं दिख रही है, जो भाजपा को गंभीर चुनौती दे सके।

गुजरात का विधानसभा चुनाव इस बार परंपरागत गुजराती चुनाव की तरह नहीं दिख रहा है। हिंदू और मुस्लिम वोट के ध्रुवीकरण के प्रयास हो रहे हैं पर गुजराती अस्मिता और गुजरात गौरव का मुद्दा ज्यादा बड़ा बन गया है। इस लिहाज से गुजरात के इस बार के चुनाव की तुलना पिछले साल हुए पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से कर सकते हैं। पूरा चुनाव ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ने बांग्ला अस्मिता के नाम पर लड़ा था। जाने माने चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने भाजपा की ओर से हो रहे ध्रुवीकरण के प्रयासों का जवाब देने के लिए बांग्ला अस्मिता का मुद्दा उठाया और भाजपा को बाहरी पार्टी बता कर चुनाव की दिशा बदली। अन्यथा भाजपा ने बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के लिए मुश्किल स्थिति पैदा कर दी थी। ममता बनर्जी के सामने 10 साल की एंटी इन्कंबैंसी भी थी।

गुजरात में तो भाजपा के सामने 27 साल की एंटी इन्कंबैंसी है और ऊपर से आम आदमी पार्टी की हिंदुत्व ब्रांड राजनीति और मुफ्त की रेवड़ी बांटने की घोषणाओं ने गुजराती मानस को अलग तरह से उद्वेलित किया। तभी भाजपा जो पहले आम आदमी पार्टी को अपने लिए एडवांटेज मान रही थी वह उसके खिलाफ आक्रामक हुई। अगर आज गुजरात के प्रचार अभियान को बारीकी से देखें तो साफ नजर आ रहा है कि भाजपा की ओर से आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को बाहरी बताने का काम किया जा रहा है। जिस तरह से बंगाल में ममता के रणनीतिकारों ने भाजपा को और नरेंद्र मोदी व अमित शाह की जोड़ी को बाहरी बता कर प्रचार किया उसी तरह से गुजरात में भाजपा के रणनीतिकार केजरीवाल और उनकी पार्टी को बाहरी बता कर प्रचार कर रहे हैं। याद करें कैसे बंगाल के चुनाव में भाजपा को सफाई देनी पड़ती थी। वैसी ही सफाई गुजरात में आम आदमी पार्टी दे रही है।

भाजपा की राज्य सरकार की 27 साल की एंटी इन्कंबैंसी और आठ साल की डबल इंजन सरकार की कमियां बता कर कांग्रेस पार्टी उसका मुकाबला कर सकती थी। आप से उलट कांग्रेस के पास संगठन भी है और नेता भी हैं। उसे बाहरी भी नहीं बताया जा सकता है। लेकिन कांग्रेस ने चुनाव की तैयारी कायदे से नहीं की और न प्रचार किया। चुनाव से पहले पार्टी के बड़े नेताओं खास कर राहुल गांधी का सिर्फ एक कार्यक्रम हुआ। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा भी शुरू की तो वह यात्रा भी गुजरात से दूर रही। तभी भाजपा और नरेंद्र मोदी को यह कहने का मौका मिला कि कांग्रेस ने गुजरात का कभी भी ख्याल नहीं रखा। वे हर सभा में कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी उन लोगों के साथ है, जिन्होंने गुजरात और गुजरातियों को देश और दुनिया में बदनाम किया। राहुल गांधी की यात्रा में नर्मदा बचाओ आंदोलन का चेहरा रहीं मेधा पाटकर के शामिल होने से भाजपा को और मौका मिल गया। सो, कह सकते हैं कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों की राजनीति की और चुनाव अभियान को अलग अलग कारणों से कठघरे में खड़ा करने के बाद भाजपा ने अस्मिता और गुजरात गौरव का मुद्दा बनाया है। ऐसा नहीं है कि बहुत शोर शराबे के साथ ऐसा किया गया है या इसके लिए कोई बहुत बड़ा इवेंट किया जा रहा है। बहुत सहज और सरल तरीके से यह काम किया गया है। भाजपा ने अपने विशाल संगठन, कार्यकताओं की फौज, प्रचार तंत्र और संसाधनों के दम पर ज्यादा से ज्यादा गुजरातियों तक पहुंच बनाई और उनके बीच पहले से स्थापित इस धारणा को उभारा कि नरेंद्र मोदी गुजराती गौरव का प्रतीक हैं। लोगों को यह भी समझाया गया कि भाजपा हारती है तो गुजराती गौरव को ठेस लगेगी और नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बने रहना मुश्किल हो जाएगा। यह बात लोगों में अपील कर रही है। इसका इस्तेमाल जाति के आधार पर होने वाले ध्रुवीकरण को काटने के लिए भी किया जा रहा है।

इसके अलावा भाजपा के प्रचार की कमान खुद नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने संभाली है। ये दो चेहरे हैं, जो अखिल भारतीय और अखिल विश्व के स्तर पर गुजराती अस्मिता का प्रतिनिधित्व करते हैं। गुजरात की पहचान इन दो चेहरों से हो गई है। इनके मुकाबले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है। कांग्रेस ने तो बल्कि सारे पुराने और बड़े चेहरों को घर बैठा दिया है। आम आदमी पार्टी ने भी पहले गोपाल इटालिया का चेहरा आगे किया था लेकिन ऐन चुनाव से पहले जब उसे लगा कि पाटीदार मतदाता भाजपा का साथ नहीं छोड़ रहे हैं तो ओबीसी वोट की चिंता में इसुदान गढ़वी का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए पेश कर दिया। इस तरह चुनावी मुकाबले में शामिल तीनों पार्टियों में सिर्फ भाजपा है, जिसके पास गुजराती गौरव और गुजराती अस्मिता का प्रतिनिधित्व करने वाले चेहरे हैं। चुनाव के इन दो मुद्दों के साथ साथ भाजपा को यह भी एडवांटेज है कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सत्ता विरोधी वोट का बंटवारा कर रहे हैं।

ध्यान रहे गुजरात में भाजपा को हमेशा 50 फीसदी के करीब वोट मिलते रहे हैं। उसके और कांग्रेस के वोट में सात-आठ फीसदी या इससे ज्यादा का भी अंतर रहा है। इसलिए अगर एंटी इन्कंबैंसी या जातियों के ध्रुवीकरण की वजह से भाजपा के वोट कुछ कम होते हैं तब भी उसको परवाह नहीं होगी क्योंकि उससे टूटने वाले वोट भी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच बटेंगे। आम आदमी पार्टी हिंदुत्व के ब्रांड की राजनीति और मुफ्त की रेवड़ियों के सहारे भाजपा के कुछ वोट काट रही है लेकिन वह ज्यादा वोट कांग्रेस का काट रही है। इस वजह से दोनों में से कोई भी पार्टी इस स्थिति में नहीं दिख रही है, जो भाजपा को गंभीर चुनौती दे सके।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

ठाणे क्राइम ब्रांच यूनिट नंबर 1 ने एमडी अमली नशीला पदार्थ नशा का कारोबार करने वालों दो आरोपियों को धर दबोचा

मुंबई हलचल / संवाददाता

ठाणे। एमडी अमली नशीला पदार्थ नशा का कारोबार करने वाले दो आरोपियों को ठाणे क्राइम ब्रांच यूनिट नंबर 1 ने धर दबोचा इस मामले में नवनिर्वाचित ठाणे क्राइम ब्रांच यूनिट नंबर 1 के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप पाटिल द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार ठाणे क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी के 25 नवंबर शुक्रवार दोपहर 2 बजे कौसा वाय जंक्शन पर कुछ अज्ञात लोग एमडी अमली नशीला पदार्थ बेचने के लिए आ रहे हैं यह सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मार्गदर्शन में एक टीम तैयार की गई और क्राइम ब्रांच द्वारा जाल बिछाकर दो आरोपी को पकड़ लिया गए पकड़े गए आरोपी का नाम अभिषेक कुमार गुप्तेश्वर महतो वर्ष 32 रहवासी रूम नंबर 2 ओम साईं लीला चाल विष्णु पाटिल नगर टाटा पावर रोड सबे गांव दिवा पूर्व दूसरा आरोपी विजय बहादुर मडे वर्ष 20 रहवासी गणराज पैलेस,ए विंग रूम नंबर 408 एनआर नगर दिवा पश्चिम यह दोनों आरोपी को ताबे में लेने के बाद तलाशी के दौरान इनके पास से

107 ग्राम एमडी अमली नशीला पदार्थ बरामद किया जिसकी बाजार में कुल कीमत 3,21,000/-रुपए बताई जा रही है और उसके साथ क्राइम ब्रांच द्वारा एक साइलेंसर बंदूक और 9 जिंदा कारतूस एक चॉपर बरामद किया गया क्राइम ब्रांच द्वारा बरामद किया गया माल मुद्दा माल की कीमत 4,21,400/-रुपए बताई जा रही है उसके बाद आरोपी अभिषेक कुमार महतो की घर की तलाशी के दौरान दो चॉपर और बरामद किया गया कुल मिलाकर क्राइम ब्रांच द्वारा 4,30,500 /-रुपए का माल मुद्दा बरामद किया गया उसके बाद यह दोनों आरोपी के विरुद्ध में मुंब्रा पुलिस स्टेशन में गुं:रजिः क्रं :1112/2022 एनडीपीएस एक्ट कलम की धारा 8(क),22(के),29 आर्म्स एक्ट की धारा 3,4,25 सह महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम कलम की धारा 37(1),135 के तहत यह मामला दर्ज किया गया गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी के पास से पुलिस द्वारा यह जानकारी प्राप्त करने की कोशिश की जा रही है यह बंदूक और जिंदा कारतूस जानलेवा हत्यार कहां से मिले और इसका उपयोग कौन से अपराध को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किया जाना थे यह जानकारी क्राइम ब्रांच द्वारा जुटाई जा रही है गिरफ्तार किया गया आरोपी अभिषेक महतो के खिलाफ पहले से ही 307 जैसे गंभीर अपराध दर्ज है जिसकी सजा वह 8 साल जेल मैं बिताने के बाद वह बाहर आया है जिस प्रकार ठाणे क्राइम ब्रांच यूनिट नंबर 1 ने जो कार्रवाई की है उसकी सराहना की जा रही है यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच यूनिट नंबर 1 के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप पाटिल, पुलिस निरीक्षक कृष्णा कोकनी, सहायक पुलिस निरीक्षक निलेश मोरे, सहायक पुलिस निरीक्षक संदीप चौहान, पुलिस उप निरीक्षक दीपक किणी, पुलिस हवलदार विश्वास मोटे, हरीश तावड़े, दिपक जाधव, नंदू कुमार पाटिल, अमोल देसाई, राजेंद्र सांबरे, पुलिस हवलदार बाळु मुकणे, पुलिस सिपाही सागर सुरळ्कर, समीर लाटे यह तमाम कर्मचारी और अधिकारी द्वारा यह कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

इंस्टा पर अमेरिकन से हुई दोस्ती, गिफ्ट भेज महिला को लगा दी साढ़े 7 लाख की चपत

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। इंस्टाग्राम पर मिले एक अमेरिकन दोस्त ने मुंबई की एक महिला को झांसे में लेकर साढ़े सात लाख रुपये की चपत लगा दी है। पीड़ित महिला बेस्ट बस के ड्राइवर की पत्नी है। उसे आरोपी ने महंगा गिफ्ट ऑफर किया था। वहीं इस गिफ्ट को प्राप्त करने के लिए कस्टम ड्यूटी के नाम पर इस ठगी को अंजाम दिया है। पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर एक महिला समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक यह वारदात किसी अकेले व्यक्ति का नहीं, बल्कि इस तरह की वारदात में पूरा का पूरा गिरोह शामिल हैं। चूनाभट्ठी में रहने वाली महिला सविता खुने ने पुलिस में शिकायत दी है। बताया कि वह गृहणी हैं। एक दिन उन्हें एक अमेरिकन युवक ने 22 सितंबर को इंस्टाग्राम पर फॉलो किया तो उन्होंने उसे फॉलोबैक दे दिया था। इसके बाद उसके साथ उनकी दोस्ती हो गई। 25 सितंबर को उनके इस अमेरिकन दोस्त ने बताया कि वह उनके लिए एक कीमती गिफ्ट भेज रहा है। उन्होंने तो गिफ्ट के लिए मना कर दिया था, लेकिन आरोपी ने कहा

कि उसने पहले ही डिस्पैच कर दिया है। पीड़िता ने बताया कि दो दिन 27 सितंबर को ही उन्हें एक महिला ने फोन किया। उसने खुद दिल्ली कस्टम से बताते हुए कहा कि उनका 30 हजार डॉलर (करीब 24 लाख रुपये) कीमत का एक गिफ्ट रिसीव हुआ है, लेकिन इसकी कस्टम ड्यूटी जमा नहीं हुई है। उस महिला ने गिफ्ट प्राप्त करने के लिए कस्टम ड्यूटी जमा कराने को कहा। पीड़िता ने बताया कि 24 लाख रुपये के गिफ्ट की बात सुनकर वह लालच में आ गई। इसके बाद उसने महिला द्वारा बताए गए खाते में कस्टम ड्यूटी के नाम पर साढ़े सात लाख रुपये जमा कर दिए। बावजूद इसके, जब एक महीने बाद भी गिफ्ट उसके पास नहीं पहुंचा तो उसने आरोपी से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी उससे संपर्क नहीं हो सका। ऐसे में पीड़िता ने मामले की जानकारी अपने पति को दी।

ठगी का यह पुराना तरीका

मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों के मुताबिक ठगी का यह तरीका काफी पुराना हो चुका है। इस संबंध में लगातार लोगों को जागरुक भी किया जा रहा है। बावजूद इसके, लोग इस तरह से जालसाजों के शिकार हो जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी तरह के एम मामले में पुलिस ने कुछ जालसाजों को पकड़ा भी था। इनमें कुछ विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र के स्कूलों में 19 लाख से भी अधिक बच्चों के पास नहीं हैं आधार कार्ड

ऐसे स्टूडेंट्स का रजिस्ट्रेशन भी आधार कार्ड न होने वाले छात्रों की तरह मान्य नहीं माना जाएगा। शिक्षक अनुमोदन प्रोसेस से पहले सरकार द्वारा जारी यह डेटा कई स्कूलों के लिए परेशानियां बढ़ा दी हैं। दरअसल हर स्कूलों में शिक्षकों के पद स्कूलों में नामांकित स्टूडेंट्स की संख्या के आधार पर हैं। चूंकि अब सिर्फ वैलिड आधार कार्ड वाले स्टूडेंट्स को ही पंजीकृत माना जाएगा इसलिए अब टीचरों की स्कूलों में नियुक्ति के दौरान भी इस गणना को ध्यान में रखा जायेगा। बता दें कि आंकड़ों के मुताबिक 91 फीसदी स्टूडेंट्स के पास आधार नामांकन है और इसमें से 18 प्रतिशत वैलिड नहीं है। इस मुद्दे पर महाराष्ट्र हेडमास्टर्स एसोसिएशन के प्रवक्ता महेंद्र गणपुले ने बताया कि जो आधार कार्ड वैलिड नहीं हैं उनमें किसी के नाम में गलती है, किसी का डेट ऑफ बर्थ गलत है तो किसी की बाकी डिटेल में चूक हुई है। चूंकि पेरेंट्स ने इसे ठीक करने की इच्छा नहीं दिखाई इसलिए अब स्कूलों को इन गलतियों को सुरधाने की जिम्मेदारी लेनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में टीचरों की भर्ती के साथ-साथ अगले साल जनवरी से मिड डे मील योजना को भी आधार से जोड़ा जा रहा है। पुणे के स्कूलों में रजिस्टर्ड हुए करीब 21 लाख 13 हजार 564 स्टूडेंट्स में से 18 लाख 3 हजार 893 बच्चों स्टूडेंट्स के पास आधार कार्ड है, लेकिन इनमें से 17 प्रतिशत आधार कार्ड वैलिड नहीं हैं।

गोवा में 5 लाख रुपये के मादक पदार्थ जब्त

अधिकारी ने बताया कि एजेंसी को अंबिका नाम की एक रूसी महिला के बारे में जानकारी मिली थी जो अपने सहयोगी जे ली के साथ मादक पदार्थों की तस्करी का गिरोह चला रही थी। उन्होंने कहा कि एक गुप्त सूचना के आधार पर एनसीबी की टीम ने जाल बिछाया और उस महिला और उसके सहयोगी को पकड़ लिया। अधिकारी ने बताया कि ली से 4.50 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। पूछताछ में पता लगा कि वे लंबे समय से गोवा में सक्रिय थे और उनके ग्राहक सिर्फ विदेशी पर्यटक थे।

मुंबईः बीच सड़क कपड़े उतारकर करने लगा ब्लैक मैजिक

यहां रात करीब 11:30 बजे बीच सड़क पर एक होटल के पास एक शख्स नंगा बैठा था। वह लकड़ी के टुकड़ों में आग लगाकर उनमें कुछ डाल रहा था। शख्स के सामने स्टील की सात कटोरियां रखी हुई थीं। जिनमें कुछ सामान मौजूद थे। बीच सड़क इस अजीबो-गरीब घटना को देखने के लिए स्थानीय लोग और कुछ वाहन चालक अपनी गाड़ी रोककर खड़े हो गए। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसकी वजह से आधे घंटे तक यातायात पूरी तरह से बाधित रहा। बता दें कि शख्स की इस हरकत को देखकर लोग एक-दूसरे से सवाल कर रहे थे, आखिर यह इंसान सड़क पर कपड़े उतार कर क्या कर रहा है? इसी दरम्यान पता चला कि वो ब्लैक मैजिक कर रहा है। करीब आधे घंटे तक वो ये काम करता रहा।

2 साल की बेटी को सीने से दबाकर मार डाला

मामले का खुलासा अब हुआ है। आरोपी की पहचान 45 साल के राहुल परमार के नाम से हुई है। वह गुजरात का रहने वाला है और दो साल पहले अपनी पत्नी भव्या के साथ बेंगलुरु शिफ्ट हुआ था। 15 नवंबर से वह अपनी बेटी के साथ लापता था, जिसकी शिकायत उसकी पत्नी ने पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी। राहुल ने पुलिस को बताया कि वह बेटी को स्कूल ले जाने के बहाने घर से निकला था। वह खुद को मारना चाहता था, लेकिन बेटी के सामने होने के चलते वह फैसला नहीं ले पा रहा था। वह पूरे दिन बेंगलुरु और कोलार के आसपास चक्कर लगाता रहा। शाम को झील के पास कार रोककर वह बहुत देर तक सोचता रहा कि क्या करना चाहिए। उसने घर लौटने के बारे में भी सोचा, लेकिन उसे डर सताता रहा कि अगर वह घर लौटा तो कर्ज देने वाले उसे परेशान करेंगे।

शिवसेना सांसद संजय राउत की मुश्किलें बढ़ी

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को लेकर 30 मार्च 2018 में विवादित बयान देने के मामले में कर्नाटक की बेलगांव कोर्ट ने संजय राउत को हाजिर होने के लिए कहा है। कर्नाटक की बेलगांव कोर्ट ने उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत को 1 दिसंबर को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया है। संजय राउत ने 30 मार्च 2018 को बेलगांव में महाराष्ट्र कर्नाटक सीमा विवाद को लेकर भड़काऊ भाषण दिया था। बता दें कि इस बीच महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रकांत पाटिल और शंभुराज देसाई तीन दिसंबर को बेलगाम का दौरा करेंगे। ये दोनों मंत्री बेलगाम में मध्यवर्ती महाराष्ट्र एकीकरण समिति के कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और कर्नाटक के साथ दशकों पुराने सीमा विवाद पर उनसे बातचीत करेंगे।

जयपुर में संत समागम एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह के पोस्टर का विमोचन किया गया

सन्त महंतों ने किया संत समागम कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर में होने जा रहे संत समागम एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन आज गलता पीठ में स्वामी अवधेश आचार्य जी महाराज एवं युवराज गलता गादी स्वामी स्वामी राघवेंद्र आचार्य एवं रघुनाथ धाम रामानुज आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी सौरभ राघवेंद्र आचार्य महाराज के सानिध्य में किया गया। संस्था के अध्यक्ष राजेश कुमार मीणा ने बताया कि श्री रामाश्रम सत्संग मंदिर न्यास संस्था रजिस्टर ट्रस्ट एवं समस्त सत्संगी बंधु श्री रामाश्रम सत्संग मंदिर संस्था जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय गुरुवार 1 दिसंबर 2022 से शुक्रवार 2 दिसंबर 2022 को ब्रह्मलीन परम संत श्री मोहन दास जी महाराज लक्ष्मण झूला वाले की पावन स्मृति में संत समागम एवं मूर्ति प्रतिष्ठा कार्यक्रम पूज्य गुरुदेव गलता पीठाधीश्वर स्वामी अवधेश

आचार्य जी महाराज के सानिध्य में आयोजित होगा। इसमें जयपुर शहर के सभी संत महंत उपस्थित होंगे। यह कार्यक्रम जयपुर के श्री रामआश्रम सत्संग मंदिर सिरसी रोड में आयोजित होगा। कार्यक्रम में 1 दिसंबर को कलश यात्रा का शुभारंभ होगा वही रात्रि कालीन भजन संध्या का आयोजन होगा जिसमें संपूर्ण भारतवर्ष से नामी भजन गायक शिरकत करेंगे। तथा 2 दिसंबर ब्रह्मलीन परम संत श्री मोहन दास जी महाराज की मूर्ति एवं चरण प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन होगा जिसने भारतवर्ष के प्रसिद्ध संतो के द्वारा मूर्ति का अनावरण किया जाएगा। कार्यक्रम में भंडारे का भी आयोजन होगा जिसमें देशभर के सभी सन्यासियों के साथ देशभर से आने वाले महाराज जी के अनुयाई पंगत प्रसादी ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष राजेश कुमार मीणा, व्यवस्थापक रूप सिंह चौहान, सह व्यवस्थापक अजय सैनी, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा एवं विधि सलाहकार रामगोपाल बडगूजर, समाजसेवी आशीष शर्मा सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सांसद व विधायकों की पेंशन समाप्त करें सरकार : आजाद खेम सिंह फौजदार

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भारतीय नौजवान इंकलाब पार्टी के बैनर तले पार्टी संस्थापक आजाद खेम सिंह फौजदार के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों को साथ लेकर नई दिल्ली के जंतर -मंतर पर देश के ज्वलंत मुद्दों जैसे किसानों के साथ होने वाले अन्याय व शोषण, बेरोजगार युवाओं की बढ़ती तादाद को रोक सरकारी रोजगार मुहैया कराए जाने, देश में बढ़ती हुई विस्फोटक जनसंख्या को नियंत्रित करने एवम देश के पूर्व सांसद, विधायकों की पेंशन को समाप्त कराने व सांसद, विधायकों को मिलने वाले बेतहाशा वेतन-भत्तों को सत्तर प्रतिशत कम कराने तथा जाति धर्म पर आधारित राजनीति को बंद कर लिव इन रिलेशन कानून को समाप्त कर गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगा गौ संवर्धन व संरक्षण कानून लागू कराने हेतु एक दिवसीय धरना -प्रदर्शन कर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया! इस कार्यक्रम में भारतीय नौजवान इंकलाब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण कुमार नंबरदार, राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार सिन्हा, राष्ट्रीय प्रचार सचिव ओमप्रकाश तेवतिया, राष्ट्रीय मुख्य सचिव राजेश्वर त्यागी, राष्ट्रीय संगठन सचिव नवरत्न कुमार दुबे सामूहिक प्रयास संस्था की अध्यक्ष रजनी सक्सेना, मृदुलता शर्मा, दारा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश जैन, हिंदू महासभा के मानिक राव देशमुख एवम सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता ए.पी. सिंह सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित हुए। गौरतलब हैं कि भारतीय नौजवान इन्कलाब पार्टी देश के ज्वलंत मुद्दों के लिए संघर्षरत हैं।

◆ 25/11/2022, शुक्रवार को दादा साहेब फालके चित्रनगरी में आयोजित भव्य कार्यक्रम में, श्री धर्मेश जोशी जी को दादा साहेब फालके अचिवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, लोककल्याण के कल्याण हेतु यह अवार्ड दिया गया। श्री धर्मेश जोशी जी ने अपने अभिवादन में उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं श्रोताओं को यह वचन दिया कि उनके लोककल्याण के कार्यो की तो यह सिर्फ शुरुवात है, और वे अपने कार्यो का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते रहेंगे। उन्हे प्राप्त इस अवॉर्ड के बारे में धर्मेश जी ने बताया की इस प्रकार के अवॉर्ड से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है एवं अपने कार्यो को और बेहतर बनाने की ऊर्जा प्राप्त होती है। साथ ही बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय एल. दुबे जी को भी दादा साहब फालके लाइफ स्टाइल आकॉनिक अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया।

अरविंद केजरीवाल ने कर दी भविष्यवाणी, कहा- गुजरात में कांग्रेस की सरकार आ रही

शार्द की मौसम में गुजरात में चुनावी माहौल काफी गर्माई हुई है। यहां पहले चरण में होने वाले वोटिंग से पहले हर पार्टी जोर शोर से प्रचार में लगी हुई है। वहीं इन सब के बीच आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आज प्रचार के दौरान एक बड़ी भविष्यवाणी कर दी। उन्होंने कहा कि गुजरात में आम आदमी पार्टी की सरकार बन रही है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, पहली बार 27 साल के अंदर बीजेपी इतना बौखलाई है। यहां लोग डरे हुए हैं। पहली बार मैंने सुना की वोटर बताने में डरता है की वो किसे वोट दे रहे है। बीजेपी के वोटर्स आम आदमी पार्टी को वोट देने वाले हैं। आज मैं लिख के भविष्यवाणी करने जा रहा हूं कि गुजरात में आम आदमी पार्टी की सरकार बन रही है। आप संयोजक ने पुरानी पेंशन लागू करने का वादा करते हुए कहा, हमारी

सरकार बनेगी तो 31 जनवरी तक ओल्ड पेंशन स्कीम जारी कर दिया जाएगा। बहुत सारे कच्चे कर्मचारी हैं, ड्राइवर, कंडक्टर, होमगार्ड और वर्कर हैं। इनके कई सारे मुद्दे हैं। हम सारे कर्मचारी की समस्याएं दूर करेंगे। दिल्ली के सीएम ने कहा, मेरी भविष्यवाणी ने सही निकलती है। 2014 में जब दिल्ली में चुनाव हुआ था तो मैंने एक पत्रकार को लिखकर दिया था कि कांग्रेस की इस बार जीरो सीट आएगी। किसी ने यकीन नहीं किया लेकिन कांग्रेस की जीरो सीट आई थी। पंजाब के चुनाव में मैंने कई सारी भविष्यवाणी की थी। उन्होंने कहा, मैंने कहा था कि नवजोत सिंह सिद्धू हारेंगे, चन्नी साहब दोनों सीटों से हारेंगे, बादल साहब का पूरा परिवार हारेगा। इसलिए मैं आज आप सबके सामने लिखकर भविष्यवाणी करने जा रहा हूं।

गहलोत द्वारा पायलट को 'गद्दार' कहे जाने पर बोले राहुल-दोनों नेता कांग्रेस की संपत्ति

नई दिल्ली। राजस्थान की सियासत का बवाल आए दिन सामने आ खड़ा होता है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा कांग्रेस नेता सचिन पायलट को 'गद्दार' कहे वाले बयान ने खूब विवाद खड़ा किया। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर पूछे गए सवाल पर दोनों नेताओं को पार्टी की 'गद्दार' बताया और कहा कि किसी भी नेता की बयानबाजी का 'भारत जोड़ो यात्रा' पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पायलट को गहलोत द्वारा 'गद्दार' बताए जाने के बारे में प्रतिक्रिया मांगे जाने पर राहुल गांधी ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, मैं इसमें नहीं जाना नहीं चाहता कि किसने क्या कहा। दोनों नेता (गहलोत और पायलट) कांग्रेस की संपत्ति हैं। मैं आपको इसकी गारंटी दे सकता हूं कि इसका (बयानबाजी का) 'भारत जोड़ो यात्रा' पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

गौरतलब है कि गहलोत ने एक निजी चैनल को हाल में दिए साक्षात्कार में पायलट को 'गद्दार' करार देते हुए कहा था कि उन्होंने वर्ष 2020 में कांग्रेस के खिलाफ बगावत की थी और गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार गिराने की कोशिश की थी इसलिए उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा सकता। गहलोत का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो यात्रा' की राजस्थान में दाखिल होने की तैयारियां हो रही हैं। राहुल गांधी ने इस बात का जवाब टाल दिया कि क्या मौका मिलने पर वह दोबारा अमेठी से चुनाव लड़ना चाहेंगे? उन्होंने कहा कि इस सवाल का जवाब साल-डेढ़ साल बाद मिल सकेगा और अभी उनका पूरा ध्यान 'भारत जोड़ो यात्रा' पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, ह्यहम आप चाहते हैं कि अखबार कल यह बताएं कि मैं अमेठी से अगला चुनाव लड़ूंगा या नहीं? मैं चाहता हूं कि अखबार 'भारत जोड़ो यात्रा' के फलसफे के बारे में लिखें। राहुल गांधी ने कहा कि देश के तीन-चार उद्योगपतियों के हाथों में सारा धन केंद्रित होने से बेरोजगारी बढ़ रही है और कांग्रेस इस समस्या को हल करने के लिए छोटे उद्यमों को बढ़ावा देगी तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्रों में निवेश करेगी।

महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग ने स्वामी रामदेव को भेजा नोटिस

रामदेव ने महिलाओं को लेकर दिया था बयान

संवाददाता

मुंबई। योग गुरु बाबा रामदेव को महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग ने शनिवार को नोटिस जारी किया है। दरअसल बाबा रामदेव ने महिलाओं के कपड़े पहनने को लेकर ठाणे में एक बयान दे दिया था, जिसपर विवाद शुरू हो गया है। महाराष्ट्र की राज्य महिला आयोग ने बाबा रामदेव से महिलाओं पर उनके आपत्तिजनक बयान पर स्पष्टीकरण मांगा है। आयोग ने उन्हें जवाब देने के लिए तीन दिन का समय दिया है। शुक्रवार को ठाणे में एक कार्यक्रम में बाबा रामदेव ने कहा था, महिलाएं साड़ियों में अच्छी लगती हैं, महिलाएं सलवार सूट में भीअच्छी लगती हैं और मेरी नजर में बिना कुछ पहने भी अच्छी लगती हैं। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे और लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे भी

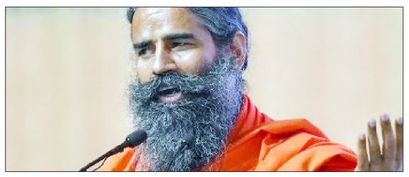

मौजूद थे।

नीलम गोरे ने किया पलटवार

वहीं महाराष्ट्र विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरे ने भी बाबा रामदेव की विवादास्पद टिप्पणी की निंदा की है। उन्होंने उन्होंने कहा कि यह महिलाओं के प्रति उनकी विकृत मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, बाबा रामदेव जहां योग के माध्यम से समाज को संयम और स्वास्थ्य की बात करते हैं, वहीं महिलाओं के प्रति उनका ऐसा दूषित रवैया है, यह बहुत गलत है। सभी पुरुष महिलाओं को इस नजर से नहीं देखते हैं। एक महिला अपने दैनिक जीवन में अपने घर में कई पुरुषों के संपर्क में आती है जैसे भाई, दोस्त और सहकर्मी। लेकिन यह शर्म की बात है कि हमारे देश में खुद को गुरु कहने वाले पुरुष ने इस तरह की अशोभनीय टिप्पणियाँ की है। नीलम गोरे ने कहा कि अमृता और वहां मौजूद अन्य महिलाओं को इस टिप्पणी का विरोध करना चाहिए था। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता सचिन सावंत ने कहा कि उनके बयान से रामदेव की असली मानसिकता उजागर हो गई है।

संसद में मचेगा बवाल! राज्यपालों की भूमिका, बेरोजगारी, महंगाई के मुद्दे पर शीतकालीन सत्र में सरकार को घेरेगा विपक्ष

संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार की नजर डाटा संरक्षण विधेयक सहित करीब एक दर्जन विधेयक पारित कराने पर है लेकिन विपक्ष के तेवर देख लगता नहीं कि सदन में उसकी राह आसान होगी। विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपालों के कथित हस्तक्षेप, जांच एजेंसियों के दुरुपयोग, बेरोजगारी, किसानों की समस्या, महंगाई, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग जैसे मुद्दों पर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मीडिया को बताया, हम सत्र में सुचारू रूप से कामकाज सुनिश्चित करना चाहते है। इसके बारे में छह दिसंबर को सर्वदलीय बैठक में विभिन्न दलों के साथ चर्चा होगी और विषय तय किये जायेंगे। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, आरएसपी सहित कई विपक्षी दल सत्र के दौरान महंगाई, बेरोजगारी के अलावा विपक्षी दलों के शासन वाले तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, केरल जैसे राज्यों में राज्यपाल द्वारा कथित तौर पर कामकाज में हस्तक्षेप करने के विषय को शीतकालीन सत्र में पुरजोर तरीके से उठाएंगे। लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के. सुरेश ने बताया कि सत्र में उठाये जाने वाले मुद्दों को लेकर अगले एक-दो दिनों में पार्टी की रणनीति संबंधी बैठक होगी जिसमें विषयों को अंतिम रूप दिया जायेगा।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

भाजपा की सरकार में अल्पसंख्यक लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है: धर्मेंद्र चौहान

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

हरिद्वार। ग्रामीण विधानसभा के गुर्जर बस्ती गांव में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष गनी कसाना और संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष अनिस गौड़ ने किया इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा मुकेश कोली मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उन्होंने कहा कि भाजपा कि प्रदेश और देश की सरकारों द्वारा सभी वर्ग के लिए जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है अल्पसंख्यक समुदाय को अधिक से अधिक समर्थन भाजपा का करना चाहिए और अपने बूथ को हर चुनाव में जीता कर भाजपा और मोदी जी के हाथों को मजबूत करना है उन्होंने कहा कि हम समय आने पर चूक जाते हैं और गलत व्यक्तियों द्वारा भ्रमित कर दिए जाते हैं जिससे हमारा वोट प्रतिशत भाजपा के पक्ष में कम रहता है इसे आने वाले चुनाव में बढ़ाना है अतिथि के रूप में पहुंचे जिला महामंत्री किसान मोर्चा धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा के द्वारा अल्पसंख्यक समुदाय के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं अल्पसंख्यक

छात्रवृत्ति और अल्पसंख्यक क्षेत्रों का विकास उनमें से प्रमुख है हमें अपने प्रदेश और देश की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा कर भाजपा को मजबूत करना है इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष इंतजार हुसैन और जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा बहरोज आलम ने सभी लोगों से अपील की कि हम अल्पसंख्यक लोगों का हित भाजपा के साथ ही है दूसरी पार्टियां गलत प्रचार कर लोगों को बहला-फुसलाकर उनका वोट लेती हैं जबकि भाजपा हर धर्म और जाति के व्यक्तियों को साथ लेकर चलती है इस अवसर पर गनी कसाना ने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि गुज्जर बस्ती में भी भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ रहा है हम इसे आने वाले चुनाव में बढ़ाएंगे जिला पंचायत चुनाव में हमने गुर्जर बस्ती के बूथ में बढ़त हासिल की है इस अवसर पर आजाद अली, ठेकेदार जहूर, हसन लियाकत ग्राम प्रधान पदार्था लाखन पूर्व ग्राम प्रधान मुक्करम अली भाई मुस्तफा, जहूर हसन, इनायत अली, अवनी सुलेमान कसाना, नूर आलम कसाना, सहारोज आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कसम सात जन्मों की, निभाया केवल 7 माह

कानपुर में लटका मिला नव विवाहित जोड़ा

मुंबई हलचल / सुनील बाजपेई

कानपुर। सात जन्मों तक साथ जीने मरने की कसम खाकर शादी करने वाला युवक और युवती अपनी शादी का बंधन सात भी बरकरार नहीं रख सका। आज सोमवार की सुबह दोनों किराये के मकान में फांसी के फंदे पर लटके पाये गये। पुलिस दोनों की लाशों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर घटना की छानबीन कर रही है। नवविवाहित युगल द्वारा आत्महत्या किए जाने की यह घटना पनकी थाना क्षेत्र के शाहपुर की है जहां आप दोनों के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले। चना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रथम दृष्टया घटना को आत्महत्या मानते हुए घटना वहीं शादी के चंद माह बाद खुदकुशी को लेकर चर्चा का माहौल है। घटना के बारे में प्राप्त विवरण के मुताबिक मूलरूप से जालौन जनपद के बरखेरा निवासी 27 वर्षीय राहुल कुमार की शादी बीती 24 अप्रैल को कानपुर देहात जनपद के भोगनीपुर तहसील के सट्टी थाना क्षेत्र के बिछौना गांव में रहने वाले रामलखन की 21 वर्षीय बेटी पुष्पलता से हुई थी। सूचना पाकर मौके पर आए मृतक राहुल के पिता मुन्ना ने पुलिस को बताया कि राहुल पनकी स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था और 21 नवंबर से वह पत्नी को लेकर वहीं शाहपुर गांव में किराए के मकान में अलग रहने लगा था। पिता द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक राहुल ने शुक्रवार को आखिरी बार घरवालों से फोन पर बात की थी। और आज सोमवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में राहुल और पुष्पलता का शव मकान की चौखट पर एक दुपट्टे के सहारे फंदे पर लटके मिले। फिलहाल इस घटना की वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है इसको लेकर तमाम तरह की चर्चाएं हैं पुलिस दोनों की लाशों को पोस्टमार्टम भेज कर घटना की वजह पता लगा रही है।

भारत जोड़ो यात्रा को लेकर अल्पसंख्यक विभाग के राजस्थान प्रभारी, एवं अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष ने कोटा के कोऑर्डिनेटर्स की बैठक ली

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

कोटा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद माननीय राहुल गांधी की ऐतिहासिक भारत जोड़ो यात्रा 6 दिसंबर से 8 दिसंबर के बीच कोटा शहर से गुजरने वाली है, जिसको लेकर कांग्रेस माइनॉरिटी डिपार्टमेंट नई दिल्ली से कोटा दक्षिण के लिए नियुक्त को ऑर्डिनेटर एडवोकेट शराफत हुसैन फौजदार ने 27 नवंबर 2022 को जिला कांग्रेस कमेटी कोटा कार्यालय में राजस्थान प्रभारी अब्दुल कलाम एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन आबिद कागजी के समक्ष अपना प्रेजेंटेशन रखा और विस्तृत रूप से चर्चा की। बैठक में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी जी के निर्देशानुसार राजस्थान के लिए नियुक्त अल्पसंख्यक प्रभारी अब्दुल कलाम साहब और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष आबिद कागजी ने सभी से रिपोर्ट प्राप्त कर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया और यात्रा को लेकर रणनीति समझाई गई और दिशानिर्देश विस्तृत रूप से दिए गए। इस दौरान प्रदेशअध्यक्ष आबिद कागजी ने सभी कोऑर्डिनेटर को आपस में समन्वय कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को माननीय राहुल जी गांधी की यात्रा से जोड़ने और माइनॉरिटी डिपार्टमेंट के बैनर तले स्वागत एवं इवेंट्स कराने का आह्वान किया और

इस यात्रा को ऐतिहासिक रूप से यादगार बनाने के लिए तैयारी करने के निर्देश दिए इस दौरान कोटा शहर के लिए नियुक्त सभी को ऑर्डिनेटर ने अपने अपने क्षेत्र में किए गए कार्यों से अवगत करवाया, राजस्थान प्रभारी अब्दुल कलाम जी ने फूलों का हार पहना कर सभी कोर्डिनेटर्स का स्वागत किया और सभी ने मिलकर यह तय किया कि कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनाब इमरान प्रतापगढ़ी साहब के निर्देशानुसार यात्रा के लिए ज्यादा से ज्यादा तादाद में लोगों को जागरूक कर भारत जोड़ो यात्रा में शरीक कराने की कोशिश करते हुए माइनॉरिटी डिपार्टमेंट की ओर से विभिन्न आयोजन किया जाना चाहिए, कोटा दक्षिण के लिए नियुक्त कोऑर्डिनेटर एडवोकेट शराफत फौजदार ने इस दौरान कोटा के प्रमुख लोगो से भेंटवार्ता कर भारत जोड़ो यात्रा से जुड़ने और इसे कोटा में सफल बनाने की कोशिश करने का आह्वान किया, इस दौरान एडवोकेट फौजदार ने कोटा जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में कांग्रेसी कार्यकताओं पदाधिकारियों को संबोधित भी किया। इससे पुर्व जनसंपर्क एवम् सभा के माध्यम से अपनी बात रखी। एडवोकेट फौजदार ने कोटा उत्तर के उपमहापौर फरीदुद्दीन सोनू कुरैशी, पार्षद सोनू अब्बासी पार्षद सेलिना सेरी, पार्षद इरशाद खान, पार्षद बादशाह सुलेमान खान, पार्षद आसिफ अंसारी, सहित दर्जनों राजनीतिक व्यक्तियों से मुलाकात की, इस दौरान कोटा के जाने-माने कांग्रेस के दिग्गज नरेश विजयवर्गीय, एडवोकेट अख्तर खान अकेला, ऑटो यूनियन के अध्यक्ष अनीश रायन, अब्दुल करीम, मोइन अंसारी, हाजी अब्दुल करीम, मौलाना अशफाकी, जावेद अली आदि से मुलाकात की और कोटा चंबल उद्यान के पास स्थित अधरशिला दरगाह पर स्थित मजार पर अकीदत के फूल पेश किए और यात्रा की कामयाबी के लिए दुआएं की गई। एडवोकेट फौजदार के साथ मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय सचिव जफर खान फौजदार, ओंकार लाल माली आदि साथ रहे, जिनका भी जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आबिद कागजी जी ने स्वागत किया।

खोके की सरकार आने के बाद से बढ़ी किसानों की आत्महत्या

बुलढाणा। महाराष्ट्र में खोखे की सरकार आने के बाद से किसानों की आत्महत्या इजाफा हुआ है। हजार से ज्यादा किसान आत्महत्या कर चुके हैं। फिर गुवाहाटी जाकर आप किस तरह की मन्नत पूरी करते हैं? आप किसका बलिदान करते हैं? महाराष्ट्र की महा विकास आघाडी के 40 भूखे बिल्लो को खोखे की भूख थी, इसीलिए इन विधायकों ने शिवसेना से गद्दारी की है।लेकिन अब इन गद्दारो को सबक सिखाने की शुरूआत राष्ट्रमाता जीजाऊ की जन्मभूमि और इनके आशीर्वाद से कर रहे हैं। बागी विधायकों पर हमला करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा है। वो बुलढाणा जिले के चिखली में क्रिडा संकुल भव्य मैदान में 26 नवंबर को आयोजित शेतकरी संवाद मेला को संबोधित कर रहे थे। आगे उद्धव ठाकरे ने बोलते हुए महाराष्ट्र की शिंदे सरकार को मिंधे सरकार कहा और दिल्ली में बैठकर अपना भविष्य देखती हैं इसलिए मौजूदा सरकार किसी ज्योतिषी से सलाह लेने की जरूरत नहीं है। शिंदे -फडणवीस सरकार पर खूब तंज कसे। उन्होंने चुनौती दी कि अगर सरकार में हिम्मत हो तो किसानों के बिजली बिल माफ करे, जैसे मध्यप्रदेश में किसानों का बिजली बिल माफ किया गया है। केंद्र की मोदी सरकार तंज करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात में होने वाले चुनाव के लिए ही महाराष्ट्र के उद्योगों को गुजरात में स्थानांतरित किया। लेकिन मिंधे सरकार के मुंह से चकर शब्द नहीं निकल सका।अब महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा का मुद्दा खड़ा हो गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के 40 गांवों पर दावा किया है। जब कुछ दिनों में कर्नाटक में चुनाव होंगे तो यह सरकार उन्हें चालीस गांव देने से नहीं हिचकेगी। भाजपा महाराष्ट्र को टुकड़े-टुकड़े करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खोके सरकार की वजह से महाराष्ट्र को नुकसान हो रहा है। राज्यपाल कोश्यारी ने शिवराय के बारे में अपमानजनक बात कही।

सपा विधायक के हैदराबाद और मुंबई में छिपे होने की संभावना से चौकन्नी कानपुर पुलिस

मुंबई हलचल / सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां जाजमऊ डिफेंस कालोनी में महिला का प्लाट कब्जाने, आगजनी और धमकाने के मामले में फरार चल रहे सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी के हैदराबाद और मुंबई में छिपे होने की प्रबल सम्भावनाओं को लेकर यहां की पुलिस चौकन्नी है। इसके लिए उनके पीछे पुलिस की टीमे एक बार फिर सक्रिय हो गईं है। इस बीच राजधानी लखनऊ सहित अनेक शहरों में भी ताबड़तोड़ छापे मरे गये लेकिन विधायक और उनके भाई का कोई सुरान नहीं मिल पाया। फिलहाल पुलिस की नजर हैदराबाद और मुंबई पर भी है। इसके पहले यह भी जानकारी प्रकाश में आई थी कि सपा विधायक सोलंकी और उनके भाई दिल्ली के एक होटल में डेरा जमाए हुए थे और उनके ठहराने का इंतजाम एक पूर्व पार्षद की बेटी ने किया था। फिलहाल पुलिस विधायक के आश्रयदाताओं पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। अवगत कराते चलें कि सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी के खिलाफ सात नवंबर

की घटना के सिलसिले में आठ नवंबर को मुकदमा दर्ज हुआ था। आधी रात बाद पुलिस ने विधायक के घर छापा मारा लेकिन, दोनों भाई नहीं मिले। इसके बाद नौ नवंबर को उन्नाव व फतेहपुर में उनकी लोकेशन पाई गई। तब से दोनों भाई कहां हैं, इसकी जानकारी पुलिस नहीं जुटा पाई थी। यह बीच यह भी दावा किया गया कि दोनों गैर भाजपा शासित राज्य में शरण लिए हैं। चार दिन बाद सामने आया है कि दोनों भाई 19 नवंबर तक नोएडा स्थित एक फ्लैट में रुके। यह संपत्ति सपा विधायक की है। हालांकि पुलिस को सूचना मिलने से पहले ही इन्होंने ठिकाना बदल दिया। इसके बाद एक पूर्व पार्षद की बेटी ने अपने पति के साथ मिलकर दिल्ली के एक होटल में विधायक को ठहराया। उस होटल में विधायक, उनके भाई के साथ दो लोग भी ठहरे थे। अलबत्ता सपा विधायक इरफान सोलंकी कहां है, इसकी सही जानकारी पुलिस को अभी तक नहीं है। पुलिस मुखबिर व सर्विलांस के माध्यम से हाथ पांव मार रही है। विधायक व उनके भाई के हैदराबाद में होने की जानकारी मिली थी। सूत्रों के मुताबिक बुधवार को एक टीम विधायक की तलाश में हैदराबाद गई थी। राजस्थान के जयपुर और अजमेर के बाद एक टीम को महाराष्ट्र भी भेजा गया। इससे यह तो साफ है कि विधायक प्रदेश से बाहर शरण लिए हुए हैं। जिसके आधार पर उनकी तलाश लगातार जारी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

किडनी को रखना है स्वस्थ तो करें इन जड़ी-बूटियों का सेवन

भागदौड़ भरी जिंदगी में गलत खान-पान के कारण किडनी से संबधित समस्याएं बढ़ती जा रही है। किडनी शरीर का खास हिस्सा है जो शरीर से विषैले पदार्थ को बाहर निकालने में मदद करती है और शरीर को रोगों से बचाती है। इसलिए स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है। अगर आप चाहते हैं आपकी किडनी सही तरीके से काम करें तो दिन में अधिक से अधिक पानी पीएं और कुछ जड़ी बूटियों की भी मदद ले सकते हैं। इन जड़ी बूटियों से किडनी स्टोन, किडनी कैंसर और किडनी से संबंधित अन्य समस्याओं से बचा जा सकता है।
आज हम आपको ऐसी जड़ी बूटियों को बारे में बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप अपनी किडनी को स्वस्थ रख सकते हैं।

1. अजमोद हर्ब
इसमें लूटेओलिन एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो शरीर से विषैले पदार्थ फ्री रेडिकल्स को बाहर निकाल कर किड़नी को स्वस्थ रखने में मदद करता है। अजमोद में विटामिन ए और सी भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

2. धतूरे की जड़
किडनी को मजबूत करने में धतूरे की जड़ काफी मददगार है। यह रक्त शुद्धिकरण करने में भी मदद करती है। इसके सेवन से शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले एसिड और विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं। यह पिट्यूटरी ग्रंथि से प्रोटीन को बाहर निकाल कर हार्मोन में संतुलन बनाएं रखता है।

3. अमरबेल हर्ब
अमरबेल पौधे के पीले फूल रक्त की शुद्धिकरण में मदद करते हैं। यह किडनी के अलावा लीवर को भी स्वस्थ रखता है।

4. करौंदा जड़ी बूटी
यह बहुत फायदे की जड़ी बूटी है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट किडनी से यूरिक एसिड को बाहर निकालने में मदद करता है। इसमें यूरिया निकालने की क्षमता होती है।

5. सिंहपर्णी की जड़
यह लीवर और किडनी से विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर उनकी कार्य करने की क्षमता को बढ़ाती है। यह भी रक्त शुद्धिकरण में मदद करता है।

6. मंजिष्ठा हर्ब
इसे आयुर्वेद में बहुत अच्छा माना गया है। यह किडनी के अलावा रक्त से भी विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर शुद्ध करता है।

7. गोल्डनरॉड (Goldenrod)
गोल्डनरॉड के सेवन से किडनी में मौजूद विषैले पदार्थ बाहर निकलते है और यह किडनी को मजबूत रखने में मदद करता है।

8. गुडूची(Guduchi)
किडनी को स्वस्थ रखने में यह बहुत कारगार उपाय है। गुडूची रक्त में होने वाले विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है इसलिए इसका सेवन धूम्रपान और शराब पीने वाले लोगों के लिए काफी फायदेमंद होता है।

पार्लर से नहीं, घर पर इन 5 आसान स्टेप से करें बॉडी पॉलिशिंग

खूबसूरती के लिए लड़कियां कई ब्यूटी ट्रीटमेंट लेती है, जिसमें से एक है बॉडी पॉलिशिंग। बॉडी पॉलिशिंग आपके पूरे शरीर की खूबसूरती बढ़ाने का सबसे लाजवाब तरीका है। इससे बॉडी पर न सिर्फ ग्लो आता है बल्कि इससे पूरे शरीर की स्किन सॉफ्ट और स्मूद भी हो जाती है। लड़कियां पार्लर में जाकर बॉडी पॉलिशिंग पर पैसे खर्चती हैं लेकिन आप घर पर भी आसान स्टेप से बॉडी पॉलिशिंग कर सकते हैं। इससे आपके पैसे भी बच जाएंगे और कोई नुकसान भी नहीं होगा।

क्या होती है बॉडी पॉलिशिंग
बॉडी पॉलिशिंग एक ऐसा ट्रीटमेंट है, जिससे पूरे शरीर को एक्सफोलिएट और मॉइश्चराइज्ड किया जाता है। इससे आपको सन डैमेज और डिहाईड्रेट स्किन से राहत मिलती है। इसके अलावा नियमित रूप से हर महीने 1 बार बॉडी पॉलिशिंग करने से डेड सेल्स निकल जाते हैं और शरीर में नए सेल्स बनते हैं। इसे कराने से शरीर में ऑक्सीजन स्पलाई भी अच्छी तरह होती है।

बॉडी पॉलिशिंग के लिए जरूर सामान
स्क्रब
प्यूमिस स्टोन
जैतून का तेल

इस तरह करें बॉडी पॉलिशिंग
स्टेप-1
बॉडी पॉलिशिंग करने के लिए सबसे पहले एक तौलिए को गर्म पानी में भिगोएं और इससे पूरे शरीर को साफ करें। आप चाहें तो शरीर को साफ करने के लिए गुनगुने पानी से शॉवर भी ले सकती हैं।

स्टेप-2
शरीर को साफ करने के बाद जैतून के तेल को गुनगुना कर लें। इसके बाद इससे चेहरे और शरीर पर मसाज करके 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद शरीर को साफ कर लें।

स्टेप-3
तेल साफ करने के बाद पूरे शरीर पर स्क्रब लगाएं। इसके लिए आप घर में चीनी और शहद को मिलाकर भी स्क्रब बना सकती हैं। आप चाहें तो अपनी स्किन टाइप के हिसाब से मार्केट में मिलने वाले स्क्रब का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

स्टेप-4
इसके बाद प्यूमिस स्टोन की मदद से कोहनी, घुटने, एड़ियों और शरीर के सख्त हिस्से को साफ करें। शरीर के बाकी हिस्सों को चेहरे को हाथ से रगड़ कर साफ कर लें।

स्टेप-5
5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से शॉवर ले लें। शॉवर लेने के बाद मॉइश्चराइजिंग क्रीम लगाएं। बॉडी पॉलिशिंग करने के करीब 2-3 दिन तक नहाते समय साबुन का इस्तेमाल न करें।

बच्चों में शुरू से डालें ये 5 आदतें, कभी नहीं होगी दिल की बीमारी

दुनियाभर में दिल के रोगों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हर साल करोड़ों लोग हृदय रोगों के कारण अपनी जान गंवाते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण बचपन से ही खान-पान की गलत आदत और कम शारीरिक मेहनत है। इसी कारण बच्चों में भी हार्ट के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अगर दिल को स्वस्थ रखने का सबसे आसान तरीका है स्वस्थ और पौष्टिक आहार खाना। इसके लिए बच्चों को बचपन से ही कम शुगर और कम नमक खाने की आदत डालवाएं। इसके अलावा अनहेल्दी फैट युक्त आहार, हाई कैलोरी फास्ट फूड्स और जंक फूड्स बहुत कम खाने दें। किसी स्पेशल मौके पर कुछ फास्ट फूड्स खाए जा सकते हैं मगर उन्हें बच्चों में बचपन से ही कुछ आदतें डाली जाएं, तो उनमें दिल की बीमारियों की आशंका कम होती है और वो एक स्वस्थ और लंबा जीवन जी सतके हैं।

पढ़ाई के साथ खेल और एक्सरसाइज
आजकल माता-पिता बच्चों को हर समय पढ़ने की नसीहत देते हैं। मनोवैज्ञानिक आधार पर देखें तो बच्चे एक दिन में 8-10 घंटे से ज्यादा पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। इसमें स्कूल में पढ़ाई का समय भी शामिल है। पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों की फिजिकल फिटनेस भी जरूरी है। इसलिए बचपन से ही बच्चों को आउटडोर गेम्स के लिए प्रेरित करें और रोज कम से कम आधा घंटा एक्सरसाइज करवाएं। बच्चों को एक्सरसाइज करवाने के लिए आप भी एक्सरसाइज करें। इससे आप भी फिट रहेंगे। रोजाना आधा घंटा एक्सरसाइज करके आप दिल की बीमारियों की आशंका को 60 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं।

हेल्दी डाइट की आदत डालें

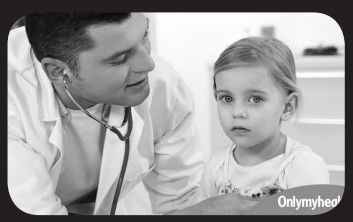

कोलेस्ट्रॉल, नमक और चीनी इसलिए खाने में इन तीनों का संतुलन जरूरी है।

वजन न बढ़ने दें
बच्चों में आजकल मोटापे की समस्या बहुत ज्यादा हो रही है। मोटापे की वजह से कई तरह के गंभीर रोगों की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए बचपन से ही बच्चों को मोटापे से दूर रखें। अगर बच्चे रेगुलर एक्सरसाइज करेंगे और हेल्दी डाइट लेंगे, तो उनका वजन कंट्रोल रहेगा और बॉडी फिट रहेगी। इससे उनका विकास यानि शरीर की लंबाई, चौड़ाई और मजबूती भी अच्छी रहेगी। वजन कंट्रोल करने में नियम का पालन बहुत जरूरी है। पूरे परिवार के खाने का समय और सोने का समय तय कर दीजिए। अनियमित जीवन के कारण कई बार हेल्दी चीजें खाने के बावजूद आप बीमार पड़ सकते हैं।

ब्लड प्रेशर पर नजर रखें
ब्लड प्रेशर का सही होना बहुत महत्वपूर्ण है। दिल की बीमारियों की मुख्य वजह भी ब्लड प्रेशर ही होता है। ब्लड प्रेशर पर नजर रखने के लिए इसे रेगुलर बेसिस पर चेक करते रहना जरूरी है। ब्लड प्रेशर बताता है कि आपके दिल को आपके शरीर के लिए ब्लड पंप करने में कोई परेशानी तो नहीं हो रही है।

एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स दबाएं और हर बीमारी का समाधान पाएं
पैरों के एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स : शरीर में कई ऐसे प्रेशर प्वाइंट्स होते हैं, जिनका कनेक्शन शरीर के दूसरे भागों से होता है। हाथों-पैरों के इन प्वाइंट्स को दबाकर रोगों का इलाज किया जा सकता है। पैरों के इन प्वाइंट्स को रोज 10 या 15 मिनट तक दबाकर कई बीमारियों से राहत पाई जा सकती है। पैरों के इन एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स को अच्छी तरह और सही तरीके से दबाकर आप मांसपेशियों की ऐंठन या जकड़न, ब्लोटिंग, अपच, भूख से संबंधित समस्या को दूर कर सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि पैरों के नीचे मौजूद किन एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स को दबाकर आप बीमारियों से छुटकारा पा सकते हैं।

स्वस्थ जीवन के लिए

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

...रश्मिका ने किया बड़ा खुलासा

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में श्रीवल्ली यानि रश्मिका ने अपने अपने ऑन और ऑफ स्क्रीन पर्सनालिटी के बारे में खुलकर बात की। अदाकारा ने अपने ऑफ स्क्रीन पर्सनालिटी के बारे में बात करते हुए कहा, ठीक है, मैं ऐसी ही हूँ। यह मेरी पर्सनालिटी है। मैं इसे नकली नहीं बना सकती क्योंकि लोग इसे पकड़ लेंगे कि मैं यह सब सिर्फ कैमरे के लिए कर रही हूं। रश्मिका ने आगे कहा, इसके अलावा, मैं ऑफ स्क्रीन एक्टिंग नहीं कर सकती, क्योंकि वह मैं नहीं हूं। मैं असल में आभारी हूं कि जो मैं हूं लोग मुझे वैसे ही पसंद करते हैं। फिल्म पुष्पा द राइज के बाद रश्मिका की पॉपुलैरिटी काफी ज्यादा बढ़ गई है वो जहां भी जाती है पेप्स उन्हें अपने कैमरे में कैद करने की कोशिश करते हैं। वहीं अब उनके बॉलीवुड डेब्यू के बाद तो एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग पहले के मुकाबले कई गुना बढ़ गई है। हालांकि रश्मिका भी हमेशा पैपराजी को अच्छे से ट्रीट करती हैं और उन्हें हमेशा स्माइल करते हुए पोज देती हैं। इसी वजह से पैपराजी के बीच रश्मिका को काफी पसंद भी किया जाता है। इसी को देखते हुए अदाकारा से पैपराजी के लेकर भी सवाल किया गया। जिस पर एक्ट्रेस ने सभी का दिल एक बार फिर जीत लिया है, हर कोई एक्ट्रेस के जवाब को सुन उनकी जमकर तारीफ कर रहा है। रश्मिका ने कहा, सभी फोटोग्राफर बहुत प्यारे हैं। हालांकि शुरूआत में जब इतने सारे लोग अचानक आ जाते थे, तो मैं घबरा जाती थी, लेकिन फिर उनसे बात करने और उनके काम को समझने के बाद मुझे उनकी मेहनत का भी एहसास हुआ। मुझे एहसास हुआ कि मेरी तरह ही वे भी अपना काम करते हैं। तभी मैंने फैसला किया कि जब वे मेरे आसपास होंगे, उन कुछ सेकंड या मिनटों के लिए मैं उन्हें खुश रखने की कोशिश करूंगी।

सोनम कपूर ने बिपाशा बसु की बेटी पर लुटाया जमकर प्यार

सोशल मीडिया पर सोनम कपूर की जमकर तारीफ होती हुई देखी जा रही हैं। और ये तारीफ इसलिए हो रही है क्यों की सोनम ने बिपाशा और करण सिंह ग्रोवर की बेटी के लिए एक प्यारा सा तोहफा भेजा हैं। जिसकी अब सोशल मीडिया पर खूब तारीफ हो रही है। दरअसल सोनम के इस खास तोहफे को बिपाशा बसु ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की हैं। और सोनम की तारीफ करते हुए बिपाशा बसु ने सोनम कपूर का शुक्रिया अदा किया है। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि देवी को उनका गिफ्ट काफी पसंद आया। इसके बाद से सोनम कपूर की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है। फैंस को सोनम कपूर का ये गिफ्ट भेजने का तरीका काफी पसंद आया हैं। और इसके लिए सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की खूब तारीफ भी हो रही हैं। इसके साथ ही करण सिंह ग्रोवर और बिपाशा बसु की बेटी के नाम की भी सोशल मीडिया पर खूब तारीफ हुई थी। एक्ट्रेस ने अपनी बेटी का नाम देवी रखा है। जो लोगों को काफी पसंद आया।

यामी गौतम ने आखिर क्यों आदित्य धर से गुपचुप तरह से की थी शादी

दरअसल यामी गौतम यामी गौतम और आदित्य धर के प्यार की शुरूआत दोस्ती से हुई थी। शुरूआती के दिनों में दोनों एक दूसरे के लिए अजनबी ही थे। लेकिन इन दोनों की प्यार की शुरआत तब हुई जब 2019 में 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के सेट पर उनकी बातचीत शुरू हुई। फिल्म के शूट के दौरान दोनों के बीच की दोस्ती बढ़ती गयी। और फिल्म के आखिर तक दोनों की दोस्ती कब प्यार में बदल गयी किसी को पता ही नहीं चला। दोनों के बीच प्यार तो शुरू हो गयी थी। लेकिन दोनों ने अपने प्यार को कभी भी पब्लिक नहीं किया। इसके बाद 4 जून 2021 को दोनों ने शादी कर ली। अभिनेत्री के सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करने के बाद लोग हैरान रह गए थे। वही यामी और आदित्य के इस तरह शादी की खबर सुन उनके फैंस सहित बॉलीवुड के कई सितारों को भी जोरदार झटका लगा था। वही यामी गौतम ने अपने एक हालिया इंटरव्यू के दौरान बताया था कि दोनों की 2019 में उरी के सेट पर बातचीत शुरू हुई थी। अभिनेत्री ने कहा, मैं इसे डेटिंग नहीं कहूंगी।